खेती अपनी संस्कृति

हमारे देश या दुनिया में खेती का एक महत्व परिणाम है। जो कुछ भी खाना या आहार केलिए आवश्य सब हमको खेत से ही मिलता है। हमारा भारत खेती में प्रशस्त देश है। कई जगह मे जैसे राजस्तान, केरल असाम ऐसे जगहो मे खेती बहुत चलती है।

पर अब खेती मे काम करना भी मुशकिल होते जा रहा है। परियावरण के बदलते हुए अंतरिक्श किसानो को बहुत मुशकिल मे पहुचा रहे है।

पुराना खेती और अब का खेती :-

पहले सब खेती लोगों करते जा रहे थे। अब नए समानों मे नए तरीके खेती के लिए आ चुक्की है। ऐसे ही पहले किसानो को बहुत पैसा भी मिलता था। उनका परिवार और सब ऐसा ही चलता। आज के समाने का

खेती भी सब ऐसा ही बहुत कुछ पर पहले जैसा किसानो को पैसा था उनका खेती से मिले सब्जी सब मारकट मे बहुत बडे पैसे पर बेजना पड़ता था। उनका मेहनत का इनाम उनको नही मिलता है।

मानव और किसान :-

मानव के विचार मे किसान एक नीच जाति है। उनके विचार में वह बस एक गरीब व्यक्ति है। यह विचार ही हमारे देश मे किसानो का मान नश्ट कर रहे है। बस गरीब लोग ही नही अमीर लोग भी खेती करते आ रहे। हमे बस यह समजना चाहिए की उनके कारण हम भूख क्या है नही पता। मानव के किसानो के सामने का स्वभाव अच्चे होना चाहिए। वह भी कठिन काम करके दिन और रात खेत मे काम करके देश और दुनिया केलिए प्रयत्न कर रहे है। उनको हम मानव बहुमान

करना चाहिए।

खेती का महत्व :-

हमारे देश में खेती का महत्व बहुत बड़ा है। हमारे देश के कई जगहों में बहुत तरह के खेती करते आए है। जैसे चावल, दाल, बाजरा, गेहू, चाय पत्ती, कोफी यह सब अन्य राजय में हमारे देश भारत ही लेकर जाता है। इनका आना और बढना सब बहुत तेज़ है। यह सब आने केलिए उन-उनका समय भी है। गलत समय पर आये तो वह नाश हो जाये गा। केरल चावल के नाम पर बहुत प्रसिध है और नारियल भी केरल का एक प्रसिद्ध पेड़ है।

खेती का नाश :-

हमारे किसानो का बहुत बड़ा डर है खेती का नाश। मेहनत के बहुत सारे दिन से आ वह पौधे बहुत सारे कारण से

नाश हो सकती है।

हमारे यहाँ के बारिश और जल बाढ़ सब इन खेती को नाश कर सकता है। ऐसा कितना खबर हम दिन भर सुनते है।

खेती हमारे देश मे लाए गुण :-

हमारा देश खेती मे प्रशस्त है। जब भी लोग भारत का नाम सुनते है तब उनके मन मे खेत और पहाड़ जैसे हरियाली जिसे आती है। खेती बस हमे भोजन से ही नही सुंदर सा हरियाली देश भी सम्मान करता है। बहुत सारे किताबों मे भी हमारा देश हरियाली और खेतों के बारे मे है। कितने कवि और लेखक खेती के बारे मे लिखे है। यह पढ़ते समय हम जान सकते है खेती का आवश्य और गुण।

नायर जी की कहानी है जो हमे खेती का महत्व और उसका आवश्य के

बारे में बताता है। मरकोस नाम वाला एक किसान दिन भर काम करके बनाया उसका चावल का खेत, एक बारिश में सब खाली हो गया। इस कहानी से खेती एक आसान काम नही है और किसी भी समय सब नाश हो जाएगा।

खेती अपनी संस्कृती :-

हमारे देश बहुत पहले ही आया एक काम है खेती। हमारा देश खेती केलिए माना जाता है। बहुत सारे लोग खेती हमारे देश में करते आ रहे हैं। अलग-अलग देशों से लोग हमारा उत्पन करितते हैं। अन्य राजय मे भारत का उत्पन प्रशस्त है। हमारा चावल, गेहू, जागरी जैसी बहुत सारे चिसें। यह सब कारय से हम भारत में रहने केलिए अभिमान कर सकते हैं।

किसानों का अवस्ता :-

'किसान' यह शब्द जब भी हम सुनते

है, हमको पता होगा उनका कठिन मेहनत क्या होगा। समुद्र मे निचे है कहकर अपमान करने वाले लोग, मेहनत करकर भी उसका इनाम न मिलना यह सब किसान आज सामना कर रहे है। मारकट मे कम पैसे मे मिलना और मारकट वाले उसे ज्यादा पैसे मे बेजकर वह कुश से रहते है। पर यह किक कुछ किसानो को कोई भी नही ध्यान देता।

विद्यार्ति और खेती :-

आज के समाने के बच्चों को खेती के बारे मे बहुत कुछ नही पता। उन्हें भी खेती के भारे मे पढाई करवाना बहुत आवश्य है। उन्हें खेत मे कैसे पौधे आते है और वह कैसे दिखते है यह सब दिखाना चाहिए। सेमीनार, क्लास वगेरा से बच्चों को खेती का महत्व बताना चाहिए। यह हमारे देश मे और संस्कृति बड़ा सकता है।

खेती के बिना एक दुनिया :-

खेती के बिना एक दुनिया हमने कभी नहीं सोचा होगा। कैसा होता था किसान नाम वाला एक व्यक्ति ही नहीं हो सकता है। हमारा देश और भी कठिन गरीबी और भूख से रहने पड़ते। खेती के कारण ही हम आज खुश मिसास जी रहे हैं। अबि भी गरीबी सामना करने वाले हैं जो खाने केलिए कुछ भी नहीं है। असल में इश्वर का वरदान है खेती और किसान। उन्के बिना हम कैसे जी सके गे। उन्से हमे बहुमान होना चाहिए। हमारा देश उनके कारण आगे बढ़ रहा है।

अंत :-

खेती का महत्व पहचानकर उसको आगे बढ़ाने का आवश्य हमारा है। खेती हमारा संस्कृति है। हमारा देश इसका इनाम है। किसानों को आवश्य कारय और जिवन

भी महत्वपूर्ण है। पिछले वर्ष मे हमने देखा कितने किसामन उन्के जिवन ले गये थे। उनका कठिन मेहनत पानी मे होना और कई अलग प्रश्नो के कारण वह उनका जान लेते है। हमको यह रोकना होगा।

हम सबको आगे बढ़कर खेती का महत्व फेहलाए। खेती हमारे देश मे एक इनाम है। अच्छे देश केलिए हम प्रयत्न करे। हम सबसे आगे लोग सिखेगे। खेती हमारा वरदान है। खेती हमारा संस्कृति है। हम आगे बढे अच्छे कल केलिए।

'किशानो को करे बहुमान'...